

डिस्ट्रीक्ट कोऑर्डिनेटर की भूमिका एवं कर्तव्य

डिस्ट्रीक्ट कोऑर्डिनेटर द्वारा जिलास्तर पर किए जाने वाले आयुश्मान भारत "निरामयम" योजना से सम्बन्धित समस्त कार्यों को सुगमता पूर्वक किया जाना है

डिस्ट्रीक्टकोऑर्डिनेटर द्वारा किये जाने वाले कार्य निम्नानुसार है:-

- (ii) डिस्ट्रीक्ट कोऑर्डिनेटर को हर दो हफ्तों के अंतराल पर जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन एवं खण्ड चिकित्सा अधिकारी से भेंट कर योजना से संबंधित समस्त कार्यों हेतु आंकलन कर एवं समस्याओं पर चर्चा कर निराकरण किया जाना है।
- (iii) डिस्ट्रीक्ट कोऑर्डिनेटर द्वारा योजना के सुचारु संचालन हेतु समस्त सम्बद्ध भासकीय चिकित्सालयों में IT से सम्बन्धित संरचना एवं संसाधनों की उपलब्धता एवं रखरखाव हेतु ISA से समन्वय स्थापित करना है।
- (iii) भासकीय चिकित्सालयों में आयुश्मान मित्रों को पदस्थापना पदस्थ समस्त आयुश्मान मित्रों के प्रशिक्षण एवं उनको कार्य के दौरान आने वाली समस्त समस्याओं निराकरण डिस्ट्रीक्ट कोऑर्डिनेटरद्वारा किया जाना है।
- (iv) जिला कार्यान्वयन इकाई से समय-समय पर समन्वय स्थापित कर योजना का सुचारु संचालन करवाना।
- (v) जिले में निजी एवं भासकीय चिकित्सालयों की योजना के अन्तर्गत सम्बद्धता हेतु ऑनलाईन आवेदन करने में सहायता करना।
- (vi) आयुश्मान भारत "निरामयम" योजना के अंतर्गत सम्बद्ध समस्त चिकित्सालयों में नियमित भ्रमण कर ISA के प्रोजेक्ट हेड को साप्ताहिक रिपोर्ट प्रदान करी जाना
- (vii) आयुश्मान भारत "निरामयम" योजना के अंतर्गत सम्बद्ध निजी एवं भासकीय चिकित्सालयों हेतु IEC एवं ब्रांडिंग का निरीक्षण कर ISA के प्रोजेक्ट हेड को साप्ताहिक रिपोर्ट प्रदान कि जाना
- (viii) आयुश्मान भारत "निरामयम" योजना का लाभ लेने वाले हितग्राहियों को आने वाली समस्याओं का समय सीमा में निराकरण करना एवं SHA/ISA पर पदस्थ अधिकारियों से समन्वय करना।

